Skill Development Programme

For Answer Writing

Economy (Model Answer)

DATE : 04 Sep, 2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- भारत में कृषि विपणन प्रणाली के संदर्भ में आवश्यक सुविधाओं एवं मुख्य कमजोरियों पर चर्चा करें।

(250 शब्द, 15 अंक)

Discuss the necessary facilities and Major Weaknesses in the context of the Agricultural Distribution System in India. **(250 Words, 15 Marks)**

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु-

- भूमिका में कृषि विपणन प्रणाली को बताएँ।
- अगले पैरा में कृषि विपणन प्रणाली की आवश्यक सुविधाओं को बताएँ।
- फिर अगले पैरा में इसकी मुख्य कमजोरियों को स्पष्ट करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- भारत में कृषि उत्पादकता में कमी का एक प्रमुख कारण, विकृत कृषि विपणन प्रणाली है। जिसके कारण न केवल कृषि उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि कृषकों को उनके उत्पादन की उचित कीमत भी नहीं मिल पा रही है।

अच्छी कृषि विपणन प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुविधाएँ या जरूरतें निम्न हैं-

- भंडारण की क्षमता पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए।
- माल को रोके रखने की क्षमता हो।
- मंडियों की संख्या बढ़ाकर अच्छा नियमन हो।
- परिवहन पर्याप्त एवं सस्ता होना चाहिए।
- बाजार संबंधी संरचना किसान और व्यापारियों दोनों तक होना चाहिए।
- बिचौलियों की संख्या में कमी होनी चाहिए।

इसके परे भारत में कृषि विपणन प्रणाली की बहुत कमजोरियाँ भी देखी जाती हैं-

- **भंडारण क्षमता में कमी :** भारत में अधिकांश किसानों के पास भंडारण क्षमता पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा उनके द्वारा कच्चा माल भण्डारण भी किया जाता है।
- भारत में लगभग 85% किसान सीमांत व लघु प्रकार के हैं। वे मुख्यत: साहूकारों पर निर्भर रहते हैं। ये अधिक दिनों तक भण्डारण नहीं कर पाते हैं और उन्हें फसल बेचकर भुगतान करना होता है।
- **यातायात के साधनों का अभाव :** भारत में कई गाँव, रेलवे और अच्छी सड़कों से जुड़े नहीं है। इसके अलावा धीमी गति से चलने वाले वाहनों का प्रयोग किया जाता है।
- **मंडियों की कमी :** भारत में मंडियों की संख्या पर्याप्त नहीं है। भारत में औसत 454 वर्ग किलोमीटर में एक मण्डी है, जबकि 5 किमी. की त्रिज्या में एक मंडी होनी चाहिए।
- **बिचौलियों की अधिक संख्या :** भारत में कृषि वस्तुओं के विपणन में लगभग 5 से 6 व्यापारी होते हैं। उपर्युक्त के अलावा भारत की कृषि प्रणाली में निम्न समस्याएँ भी देखने को मिली है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मंडियों की संख्या में वृद्धि, यातायात के साधनों का विकास सड़कों को मंडियों से जोड़कर तथा बिचौलियों की संख्या में कमी कर व उन्नत सूचना व संचार तक किसानों की पहुँच बनाकर कृषि विपणन प्रणाली को सुविधा जनक बना सकते हैं।

* * *